ISSN 2277 - 9795

गाँधी समग्र

GANDHI SAMAGRA

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

A Peer Reviewed Annual & Bilingual Research Journal

जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
जमशेदपुर

प्रधान संपादक :-
प्रोफेसर (डॉ०) शुक्ला महांती
पूर्व कुलपति, कोल्हान विश्वविद्यालय
प्राचार्या, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर

JMC ISSN NO. 2277 -9795

Vol. October 2020

गाँधी समग्र (ISSN 2277-9795)

(गाँधीयन स्टडीज सेंटर, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर की द्विभाषी एवं वार्षिक पीयर रिव्यूड शोध पत्रिका: अंक: 2020, दिनांक 02 अक्टूबर 2020)

(A Bilingual & Annual Peer Reviewed Research Journal of Gandhian Studies Centre-Jamshedpur Women's College, Jamshedpur : Volume: 2020, Date 2nd October 2020)

प्रधान संपादक :
प्रोफेसर (डॉ0) शुक्ला महांती
पूर्व कुलपति : कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा
प्राचार्या : जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर (कोल्हान विश्वविद्यालय का एक स्वायत्त एवं अंगीभूत महाविद्यालय; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा सेंटर ऑफ पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, बंगलौर द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित; राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत झारखण्ड सरकार के 15 फरवरी 2019 के 'असाधारण गजट' द्वारा जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के रूप में उत्क्रमित)

पीयर रिव्यू समिति:
प्रो0 (डॉ0) मनोज कुमार, निदेशक: एमजीएफजी सेंटर फॉर सोशल वर्क; डीन: स्कूल ऑफ एजुकेशन, लॉ, मैनेजमेंट, म. गा.अ.हि.वि.,वर्धा, महाराष्ट्र
प्रो0 (डॉ0) नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, डीन: स्कूल ऑफ कल्चर, म.गा.अ.हि.वि.,वर्धा, महाराष्ट्र
प्रो0 (डॉ0) सुधाकर सिंह, पूर्व अध्यक्ष: हिन्दी विभाग व पूर्व निदेशक: भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, बीएचयू, वाराणसी, उ0प्र0
प्रो0 (डॉ0) पुष्पा मोतियानी, पूर्व अध्यक्ष: गाँधीयन फिलॉसफी एण्ड पीस रिसर्च डिपार्टमेंट, गुजरात विद्यापीठ, गुजरात
प्रो0 (डॉ0) पी0 एन0 सिंह, पूर्व अध्यक्ष: गाँधीयन थॉट, तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार

संपादक मण्डल:
डॉ0 सुधीर कुमार साहू, ओड़िया विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
डॉ0 पुष्पा कुमारी, हिन्दी विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
डॉ0 अविनाश कुमार सिंह, हिन्दी विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
डॉ0 नुपुर अन्विता मिञ्ज, हिन्दी विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
डॉ0 भारती कुमारी, हिन्दी विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
डॉ0 मनीषा टाईटस, अन्ग्रेजी विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
श्रीमती सोनाली सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
सुश्री शर्मिला दास, राजनीति विज्ञान विभाग, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
डॉ0 मिथिलेश कुमार चौबे, मुख्य संपादक, जमशेदपुर रिसर्च रिव्यू

सहयोग राशि : रू 150/- मात्र
प्रकाशक : गाँधीयन स्टडीज सेंटर, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड- 831001

©प्रतिलिप्याधिकार : जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर
कवर डिजाइनिंग: बी0 विश्वनाथ राव, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज
एम/एस आशा आर्ट प्रेस, जमशेदपुर से मुद्रित कराकर गाँधीयन स्टडीज सेंटर, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर 831001 द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर 2020 को प्रकाशित

- प्रकाशित रचनाओं में निहित विचार लेखकों के निजी विचार हैं जिनका संपादन समिति से कोई संबंध नहीं है
- साहित्यिक चौर्य (प्लैगरिज्म) के किसी भी दावे की स्थिति में पूरी जवाबदेही लेखक/लेखकगण की होगी
- किसी भी विवाद के निपटारे का न्यायिक क्षेत्र जमशेदपुर ही होगा।

गाँधी समग्र
ISSN 2277 - 9795

अनुक्रम
(Index)

विषय /शीर्षक (Topic/Title)	पृष्ठ (PP)
संपादकीय प्रोफेसर शुक्ला महांती, प्रधान संपादक	i - iii
महात्मा गाँधी की वैचारिक निर्मिति और किताबें डॉ0 कुमार वीरेन्द्र	1 - 6
झारखंड में असहयोग आन्दोलन (1920) सुखचन्द्र झा	7 - 10
The Mahatma and the 'Ecstasy of Mendacity' Sailaj Rabi	11 - 18
महात्मा गाँधी की पत्रकारिता डॉ0 मिथिलेश	19 - 23
Relevance of Gandhian Principles of Journalism Dr. Neha Tiwari	24 - 32
गाँधी एवं दक्षिण अफ्रीका में नौवें विश्व हिन्दी सम्मेलन के स्मरण प्रोफेसर नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	33 - 42
महात्मा गाँधी और हिन्दी साहित्य डॉ0 त्रिपुरा झा	43 - 49
महात्मा गाँधी का संगीत प्रेम डॉ0 सनातन दीप	50 - 53
गाँधी और रंगमंच प्रस्तुति : कुमार वीरेन्द्र	54
Examining Nonviolent Resistance in creating an ecosystem for Swaraj Priya Sharma	55 - 64
गाँधी का हिन्द स्वराज डॉ0 विजय कुमार	65 - 70

गांधी संपदा
ISSN 2277 - 9795

RELEVANCE OF GANDHIAN PRINCIPLES OF JOURNALISM

Dr. Neha Tiwari
Assistant Professor, Department of English
Prof. In charge, Department of Mass Communication
Karim City College, Jamshedpur

"Each time we put Gandhi behind us as a historical icon, he surprises everyone by bouncing back with ever increasing relevance." Sita Ojha puts it correctly. In the present chaos caused by violence, communalism, environmental changes and materialism in the world, one definitely needs to sit back to recall the Gandhian philosophy of minimalism, self-reliance and compassion. The philosophy that is based on truth, non-violence, integrity and concern of the weakest which reflects in everything Gandhi did in his life, journalism being no exception. The recent study of Michigan University on misinformation in India shows the unprecedented increase in debunked/ misinformation. It was two in the third week of January, 2020 that reached to 60 misinformation in the second week of April, 2020.Digital technology has proved bane and boon both to journalism. Definitely, there cannot be a better time to revisit Gandhian principles of journalism than today.

Standing at a cross-road today, journalism needs Gandhi like never before. In the era of fake news and mis/disinformation where journalism is losing its credibility and cause both, only Gandhi can be a saviour if followed. In India where journalism played an important role in the freedom struggle and has kept check & balances on the consecutive governments after independence, its present state of affairs causes many concerns. Sadly, it appears to have lost its way. The social responsibility attached to this profession is nowhere to be seen. The truth, objectivity and impartiality, the key elements of journalism are being compromised continuously. The concept of fact check has taken a back seat, instead fake news is being implanted and circulated through different media. The journalism that expected to give clear picture has